This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2681**

Unique Paper Code : **2102201201**

Name of the Paper : **Introduction to Indian Philosophy**

Name of the Course : **DSC Philosophy**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Critically analyse in detail any *two* general characteristics of Indian Philosophy.

   भारतीय दर्शन की किन्हीं **दो** सामान्य विशेषताओं का विस्तारपूर्वक समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

2. How does *Nyāya* philosophy define Perception as *pramāṇa* ? Discuss.

   न्याय दर्शन प्रत्यक्ष को प्रमाण के रूप में कैसे परिभाषित करता है ? चर्चा कीजिए।

3. Write an essay on *Anumān* (*Inference*) *pramāṇa* with reference to *Nyāya* School.

   न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण पर निबंध लिखिए।

4. How does *Sāṅkhya* school criticize the theory of *Asatkāryavād* ? Discuss.

   सांख्य दर्शन किस प्रकार असत्कार्यवाद की आलोचना करता है ? विवेचना कीजिए।

5. Explain No Soul theory according to Buddhism.

   बौद्ध दर्शन के अनुसार अनात्मवाद के सिद्धांत को समझाइए।

6. Give a critical analysis of Jaina theory of *Anekāntavād*.

   जैन दर्शन के अनेकान्तवाद सिद्धांत की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

7. Explain concept of *Brahman* according to Śaṇkara's.

   शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।